चिकित्सीय आपातकाल/एम्बुलेंस सेवा के लिए कृपया 112 पर डायल करें।

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 234 श्री विजय पुरम, मंगलवार, 01 सितम्बर 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत परिवहन एवं मजदूरी हानि मुआवज़ा संबंधी दिशानिर्देशों में संशोधन

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की शासी निकाय की मंजूरी के बाद आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी–पीएमजेएवाई) के तहत परिवहन एवं मजदूरी हानि मुआवज़ा संबंधी दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। संशोधित प्रावधान 1 अगस्त, 2026 से प्रभावी किए गए हैं।

संशोधित दिशानिर्देशों को द्वीपों से मुख्यभूमि भारत के सूचीबद्ध अस्पतालों में विशेष चिकित्सा उपचार के लिए रेफर किए जाने वाले लाभार्थियों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से लागू किया गया है।

संशोधित प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित हैं:

1. रेफर किए गए मरीज़ों के लिए हवाई यात्रा की सुविधा

एबी–पीएमजेएवाई के तहत श्री विजय पुरम स्थित जीबी पंत अस्पताल से मुख्यभूमि भारत में सूचीबद्ध अस्पतालों में उपचार के लिए रेफर किए गए सभी मरीज़ों को अब संशोधित दिशानिर्देशों के लागू प्रावधानों के अधीन इकोनॉमी श्रेणी में हवाई यात्रा करने की अनुमति होगी। मरीज़ और एक सहायक के आने–जाने के हवाई यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति अधिकतम 40,000 रुपये की सीमा तक अनुमन्य होगी।

2. स्ट्रेचर वाले मरीज़ों के लिए नकद रहित हवाई यात्रा की व्यवस्था

हवाई मार्ग से स्ट्रेचर वाले मरीज़ों के रूप में रेफर किए गए मरीज़ों के लिए राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (एसएचए) द्वारा लागू दिशानिर्देशों के अधीन मरीज़ और एक सहायक के लिए नकद रहित आधार पर हवाई टिकट की व्यवस्था की जाएगी। इस संबंध में एसएचए ने स्ट्रेचर वाले मरीज़ों के लिए हवाई टिकट की सुविधा प्रदान करने हेतु बाल्मर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड के साथ मामला उठाया है। विभाग ने इस उद्देश्य के लिए एजेंसी के पास 10 लाख रुपये की अग्रिम जमा राशि रखने का प्रस्ताव किया है। इस संबंध में एजेंसी से पुष्टि की प्रतीक्षा है।

3. सभी पात्र एबी–पीएमजेएवाई लाभार्थियों के लिए मजदूरी हानि मुआवज़ा का विस्तार

मजदूरी हानि मुआवज़ा का लाभ सभी पात्र एबी–पीएमजेएवाई लाभार्थियों तक विस्तारित किया गया है। पात्र लाभार्थी संशोधित दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अधीन अधिकतम 20 दिनों की अवधि के लिए 1,000 रुपये प्रतिदिन की दर से मजदूरी हानि मुआवज़ा प्राप्त करने के हक़दार होंगे।

इससे पहले यह लाभ केवल सामाजिक–आर्थिक एवं जाति जनगणना (एसईसीसी) श्रेणी के अंतर्गत आने वाले लाभार्थियों तक सीमित था।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि परिवहन एवं मजदूरी हानि मुआवज़ा संबंधी पूर्ण संशोधित दिशानिर्देश अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव डॉ. श्रीवत्स कृष्णा ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के दो दिवसीय दौरे के दौरान आज यहां सचिवालय के सम्मेलन कक्ष में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु बैठक की। बैठक में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव श्री ज्ञानेश भारती, आईएएस, सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

समुद्री बंदरगाह आव्रजन प्रक्रियाओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण संचालित

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस ने आव्रजन एवं विदेशियों से संबंधित कार्यों को संभालने वाले पुलिस कर्मियों की पेशेवर क्षमताओं और परिचालन तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत 31 अगस्त से 4 सितंबर, 2026 तक श्री विजय पुरम स्थित दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में पांच दिवसीय "समुद्री बंदरगाह आव्रजन प्रक्रियाओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण" का आयोजन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन 31 अगस्त, 2026 को दक्षिण अण्डमान ज़िला की पुलिस अधीक्षक सह विदेशी पंजीकरण अधिकारी श्रीमती श्वेता के. सुगथन, आईपीएस द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम चेन्नई स्थित आव्रजन ब्यूरो के अनुभवी अधिकारियों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसका विशेष ध्यान समुद्री बंदरगाहों पर आव्रजन संबंधी कार्यों में संलग्न पुलिस कर्मियों को व्यावहारिक एवं परिचालन संबंधी जानकारी प्रदान करने पर है।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक ने ज़ोर देते हुए कहा कि आव्रजन संबंधी ज़िम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए केवल नियमों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावहारिक समझ, पेशेवर दक्षता तथा क्षेत्रीय स्तर पर समन्वित कार्यान्वयन भी आवश्यक है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के महत्व पर ज़ोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों, विदेशी चालक दल के सदस्यों और जहाज़ों से संबंधित आव्रजन औपचारिकताएं व्यवस्थित, कुशल, एकरूप और कानून के अनुरूप तरीके से पूरी की जाएं। इस प्रशिक्षण में उत्तर व मध्य अण्डमान तथा निकोबार ज़िलों के कुल 20 पुलिस कर्मियों के साथ–साथ दक्षिण अण्डमान ज़िला की आव्रजन एवं विदेशी शाखा के कर्मी भी भाग ले रहे हैं।

इस कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता केवल सैद्धांतिक शिक्षा के बजाय व्यावहारिक प्रशिक्षण पर इसका ज़ोर है। इसमें भाग लेने वाले पुलिस कर्मियों को समुद्री बंदरगाह आव्रजन संचालन के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे

शेष पृष्ठ 4 पर

ग्रामीण एवं दूरदराज़ क्षेत्रों में यूडीआईडी योजना की पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता एवं पंजीकरण कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) योजना की पहुंच ग्रामीण एवं दूरदराज़ क्षेत्रों तक बढ़ाने के लिए जारी प्रयासों के तहत समाज कल्याण निदेशालय द्वारा 27 एवं 28 अगस्त को स्वराज द्वीप के गोविंद नगर एवं श्यामनगर ग्राम पंचायत तथा शहीद द्वीप की नील केंद्र ग्राम पंचायत में जागरूकता–सह–पंजीकरण एवं नवीनीकरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में पंचायत प्रतिनिधियों, चिकित्सकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सफाई मित्रों, पंचायत कर्मचारियों, दिव्यांगजनों, देखभालकर्ताओं तथा आम जनता ने भाग लिया।

सत्रों के दौरान समाज कल्याण निदेशालय के राज्य समन्वयक (यूडीआईडी) ने प्रतिभागियों को यूडीआईडी योजना, इसके महत्व एवं लाभों, दिव्यांगता प्रमाणन, पंजीकरण एवं नवीनीकरण की प्रक्रियाओं तथा ऑनलाइन आवेदन

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार ने इतिहास विषय के स्नातकों के लिए अल्पकालिक अभिलेखागार प्रबंधन इंटर्नशिप कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

सचिवालय, श्री विजय पुरम स्थित अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह से हाल ही में बी.ए. (इतिहास) की पढ़ाई पूरी करने वाले स्नातकों के लिए मासिक पारिश्रमिक के साथ अभिलेखागार प्रबंधन में अल्पकालिक इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इसका उद्देश्य अभिलेखीय कार्य के विभिन्न पहलुओं में व्यावहारिक अनुभव और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान करना था।

तीन महीने का यह इंटर्नशिप कार्यक्रम 1 जून, 2026 को शुरू हुआ था। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को अभिलेखीय अभिलेखों के संरक्षण एवं रख–रखाव, बुनियादी मरम्मत एवं बंधाई, डिजिटलीकरण एवं डाटा प्रविष्टि, अभिलेख प्रबंधन, अनुसंधान एवं दस्तावेज़ीकरण सहित महत्वपूर्ण अभिलेखीय गतिविधियों का व्यावहारिक ज्ञान और प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया गया। इंटर्नशिप के दौरान प्रशिक्षुओं को अभिलेखागार के कार्यप्रणाली को समझने तथा ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक अभिलेखों के व्यवस्थित संरक्षण, प्रबंधन और डिजिटलीकरण के महत्व को जानने का अवसर दिया गया। इस कार्यक्रम को अभिलेखागार प्रबंधन के क्षेत्र में शैक्षणिक अध्ययन और व्यावहारिक अनुभव के बीच की दूरी को कम करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। इंटर्नशिप नीति के अनुसार, प्रथम बैच के प्रशिक्षुओं द्वारा प्रारंभिक अवधि के दौरान प्रदर्शित समर्पण, प्रतिबद्धता और संतोषजनक प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए सचिव (अभिलेखागार) द्वारा इंटर्नशिप की अवधि को तीन महीने और बढ़ा दिया गया है। इस विस्तार से प्रशिक्षुओं को अपने व्यावहारिक ज्ञान को और गहरा करने तथा विभिन्न अभिलेखीय गतिविधियों में अतिरिक्त प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त

करने के अवसर मिलेंगे। इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर सचिवालय स्थित अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार द्वारा प्रशिक्षुओं को इंटर्नशिप प्रमाण–पत्र जारी किया गया, जिसमें कार्यक्रम के दौरान उनके संतोषजनक आचरण, प्रदर्शन और सहभागिता को मान्यता दी गई।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह पहल अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार की क्षमता निर्माण, अभिलेखीय जागरूकता को बढ़ावा देने तथा इतिहास एवं संबंधित विषयों के छात्रों और युवा स्नातकों को व्यावहारिक सीखने के अवसर प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस प्रकार के इंटर्नशिप कार्यक्रमों का उद्देश्य युवा शिक्षार्थियों को दस्तावेज़ी विरासत के महत्व को समझने तथा अभिलेखीय अनुसंधान, संरक्षण और डिजिटल दस्तावेज़ीकरण में रुचि विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

अभिलेखागार भविष्य में भी ऐसी शैक्षणिक एवं इंटर्नशिप पहलों को जारी रखने और मजबूत करने का प्रस्ताव रखता है। इसके माध्यम से छात्रों और शोधकर्ताओं को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की दस्तावेज़ी विरासत के संरक्षण, प्रबंधन और डिजिटलीकरण का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे।

महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय मसाला सम्मेलन में आईसीएआर–सीआईएआरआई की प्रौद्योगिकियों की सराहना

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

सतत विकास के लिए वृक्ष मसालों की नवीन प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 24–25 अगस्त, 2026 के दौरान महाराष्ट्र के दापोली स्थित डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ के परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मसाला क्षेत्र में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग प्रतिनिधियों, किसानों, उद्यमियों एवं विद्यार्थियों के बीच ज्ञान एवं विचारों के आदान–प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करना था।

श्री विजय पुरम स्थित आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई) में विभिन्न मसाला फसलों पर किए जा रहे महत्वपूर्ण एवं अग्रणी अनुसंधान कार्य को देखते हुए संस्थान को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। आईसीएआर–सीआईएआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजीत अरुण वामन को कार्यक्रम की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सलाहकार समिति में शामिल होने तथा उष्णकटिबंधीय खाड़ी द्वीपों की बारहमासी मसाला फसलों में वैज्ञानिक हस्तक्षेप विषय पर मुख्य व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। अपने प्रस्तुतिकरण में डॉ. अजीत ने विभिन्न मसाला फसलों में हासिल की गई अनुसंधान उपलब्धियों को हितधारकों के समक्ष प्रस्तुत किया। आईसीएआर–सीआईएआरआई द्वारा विकसित उन्नत किस्मों एवं जर्मप्लाज्म में वुडी पेपर जर्मप्लाज्म आईएनजीआर25029, देश में तेजपात की पहली किस्म 'द्वीप तेज 1', मालाबार इमली की उन्नत किस्में 'द्वीप अग्रिम' एवं 'द्वीप विशाल' तथा दालचीनी की उत्कृष्ट अभिगमनों को सम्मेलन में उपस्थित लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। देशभर के शोधकर्ताओं के लाभ के लिए आईसीएआर–सीआईएआरआई में दालचीनी एवं तेजपात में विकसित फसल सुधार तथा प्री–ब्रीडिंग विधियों को भी विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

सीआईएआरआई में विकसित सबसे लोकप्रिय आविष्कार 'द्वीप सिनरब'–दालचीनी की छाल रगड़ने के उपकरण–का प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शन किया गया।

शेष पृष्ठ 4 पर

नशा मुक्त समाज के लिए स्वराज द्वीप एवं शहीद द्वीप में जागृति लाई गई

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

राष्ट्रीय मादक पदार्थ मांग में कमी कार्ययोजना (एनएपीडीडीआर) के तहत जारी प्रयासों के क्रम में आज स्वराज द्वीप की गोविंद नगर एवं श्यामनगर ग्राम पंचायतों तथा शहीद द्वीप की नील केंद्र ग्राम पंचायत में मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम एवं मांग में कमी के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अण्डमान तथा निकोबार पुलिस तथा ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों, कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय समुदाय ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गोविंद नगर ग्राम पंचायत द्वारा आयोजित जागरूकता रैली से हुई, जिसमें पंचायत सदस्यों, कर्मचारियों एवं आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली के माध्यम से नशा मुक्त समाज तथा स्वस्थ एवं सशक्त समुदाय का संदेश दिया गया और लोगों को मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ सामूहिक रूप से खड़े होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। रैली के बाद समुदाय को मादक पदार्थों के दुरुपयोग के हानिकारक परिणामों तथा रोकथाम, समय पर हस्तक्षेप एवं पुनर्वास के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए संवादात्मक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय मादक पदार्थ मांग में कमी कार्ययोजना के तहत समाज कल्याण निदेशालय के संसाधन व्यक्ति ने मादक पदार्थों की मांग में कमी संबंधी पहलों के उद्देश्यों, जागरूकता एवं समय पर हस्तक्षेप के महत्व तथा उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास के लिए उपलब्ध सुविधाओं पर प्रकाश डाला। गोविंद नगर ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव एवं प्रधान ने चिंताओं की पहचान करने, प्रभावित व्यक्तियों को सहयोग प्रदान करने तथा सकारात्मक एवं नशा मुक्त वातावरण बनाने में पंचायती राज संस्थाओं एवं स्थानीय समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया।

स्वराज द्वीप एवं शहीद द्वीप पुलिस थानों के संसाधन व्यक्तियों ने मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों में संलिप्तता के कानूनी परिणामों के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी तथा समुदाय, विशेष रूप से युवाओं से मादक पदार्थों से दूर रहने और ज़िम्मेदार विकल्प चुनने का आग्रह किया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि वक्ताओं ने सामूहिक रूप से इस बात पर ज़ोर दिया कि मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटना किसी एक विभाग या एजेंसी की ज़िम्मेदारी नहीं है। कार्यक्रम का समापन एनएमबीए (नशा मुक्त भारत अभियान) शपथ के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता को सामूहिक रूप से दोहराया।

संदिग्ध हिरण का मांस ज़ब्त

मयाबंदर, 31 अगस्त।

अवैध रूप से वन्यजीव मांस के परिवहन एवं बिक्री के संबंध में 30 अगस्त, 2026 को प्राप्त विश्वसनीय सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना डिगलीपुर की एक टीम ने सुबाषग्राम के समीप तीन व्यक्तियों को रोककर जांच की।

जांच के दौरान पुलिस ने उनके कब्ज़े से लगभग 28 किलोग्राम संदिग्ध हिरण का मांस बरामद कर ज़ब्त किया। वन विभाग को तत्काल सूचित किया गया तथा तीनों व्यक्तियों को ज़ब्त किए गए संदिग्ध हिरण के मांस सहित आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की संबंधित धाराओं के तहत की जाएगी।

उत्तर व मध्य अण्डमान पुलिस द्वारा की गई समयबद्ध कार्रवाई प्रभावी कानून प्रवर्तन एवं विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के माध्यम से अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के प्रति उसकी निरंतर सतर्कता एवं प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पुलिस अधीक्षक, उत्तर व मध्य अण्डमान से प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि किसी भी अपराध या अवैध गतिविधि से संबंधित विश्वसनीय जानकारी अपने निकटतम पुलिस थाने को अथवा 100 या 112 के माध्यम से उपलब्ध कराएं और साझा करें। सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा कार्रवाई योग्य सूचना प्रदान करने पर उचित पुरस्कार दिया जाएगा।

वॉक–इन साक्षात्कार 4 सितम्बर को

मायाबंदर, 31 अगस्त।

महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय (एमजीजीसी), मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026–2027 के लिए इतिहास, कम्प्यूटर विज्ञान, हर्बल पोषण व खाद्य विज्ञान आदि विषयों में अतिथि संकाय को शामिल करने हेतु वॉक–इन साक्षात्कार आयोजित करने का प्रस्ताव है। शामिल करने संबंधित विषय में आवश्यकता एवं शिक्षण कार्यभार के आधार पर पूर्णतः 'जब और जैसी आवश्यकता हो' के आधार पर किया जाएगा। यूजीसी/सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अपेक्षित शैक्षणिक योग्यताएं रखने वाले अभ्यर्थी वॉक–इन साक्षात्कार में उपस्थित हो सकते हैं। अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय अपने मूल प्रमाण–पत्र, प्रशंसापत्र तथा सभी संबंधित दस्तावेज़ों की एक स्वप्रमाणित प्रति साथ लानी होगी। पात्र अतिथि संकाय को लागू मानदंडों व नियमों के अनुसार प्रति व्याख्यान 1,500 रुपये, अधिकतम 50,000 रुपये प्रति माह तक मानदेय का भुगतान किया जाएगा।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि वॉक–इन साक्षात्कार 4 सितम्बर, 2026 (शुक्रवार) को सुबह 10 बजे महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय, मायाबंदर के प्राचार्य के कक्ष में आयोजित किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को पंजीकरण एवं दस्तावेज़ों के सत्यापन के लिए समय से पूर्व उपस्थित होने की सलाह दी गई है।

स्विमिंग पूल रखरखाव कार्य के कारण बंद रहेगा

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

आम जनता को सूचित किया गया है कि श्री विजय पुरम स्थित नेताजी स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का स्विमिंग पूल 1 सितम्बर, 2026 से स्विमिंग पूल के रखरखाव कार्य के कारण सदस्यों एवं गैर–सदस्यों, दोनों के लिए बंद रहेगा। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि रखरखाव कार्य पूरा होने के बाद स्विमिंग पूल को पुनः खोल दिया जाएगा। सभी सदस्यों, उपयोगकर्ताओं एवं आम जनता से उपरोक्त सूचना का ध्यान रखने तथा रखरखाव अवधि के दौरान सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया गया है।

महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय मसाला ——————————पृष्ठ 1 का शेष

प्रदर्शनी में सम्मेलन के सभी प्रतिनिधियों एवं प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह उपकरण डॉ. बी. एस. के. के. वी., दापोली के माननीय कुलपति डॉ. संजय भावे को भी प्रदान किया गया। उन्होंने दालचीनी की कटाई के दौरान होने वाले श्रमसाध्य कार्य को कम करने में आईसीएआर–सीआईएआरआई द्वारा किए गए इस समयानुकूल आविष्कार की सराहना की।

वैज्ञानिक विचार–विमर्श के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आए सम्मेलन प्रतिनिधियों एवं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने इन प्रौद्योगिकियों में गहरी रुचि दिखाई।

ग्रामीण एवं दूरदराज़ क्षेत्रों में यूडीआईडी ——————————पृष्ठ 1 का शेष

प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया। यूडीआईडी प्रमाणन के लिए आवश्यक चिकित्सकीय मूल्यांकन एवं मेडिकल बोर्ड की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई।

जागरूकता सत्रों के बाद पात्र दिव्यांगजनों के लिए यूडीआईडी पंजीकरण एवं नवीनीकरण की सुविधा प्रदान की गई। इसमें पहली बार आवेदन करने वाले व्यक्तियों तथा अपने यूडीआईडी कार्ड के नवीनीकरण की आवश्यकता वाले मौजूदा लाभार्थियों को शामिल किया गया। लाभार्थियों को आवेदन प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया तथा इसके बाद आवश्यक चिकित्सकीय मूल्यांकन के बारे में जानकारी दी गई।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह पहल समाज कल्याण निदेशालय द्वारा यूडीआईडी सेवाओं के कवरेज, सुगमता तथा समय पर सुविधा प्रदान करने में सुधार के प्रयासों का हिस्सा है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में रहने वाले दिव्यांगजनों के लिए जहां विभागीय कार्यालयों और संबंधित सेवाओं तक पहुंच अपेक्षाकृत कठिन हो सकती है।

ऐसे जागरूकता एवं सुविधा प्रदान करने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से निदेशालय का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र दिव्यांगजन अपने यूडीआईडी कार्ड प्राप्त या नवीनीकृत कर सकें और इसके माध्यम से उनके लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं, लाभों एवं सेवाओं का लाभ उठा सकें।

समुद्री बंदरगाह आव्रजन प्रक्रियाओं पर व्यावहारिक ——————————पृष्ठ 1 का शेष

प्रक्रियाओं को समझ सकें और बाद में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय इस ज्ञान को प्रभावी ढंग से लागू कर सकें।

इस व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इन ज़िम्मेदारियों के लिए नियुक्त कर्मी प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं की पहचान करने, आव्रजन औपचारिकताओं को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने तथा परिचालन संबंधी परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए बेहतर रूप से सक्षम हों।

यह पहल अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न ज़िलों के पुलिस कर्मियों को एक साथ लाकर अंतर–ज़िला समन्वय और प्रक्रियाओं के मानकीकरण को मजबूत करने का भी प्रयास करती है। प्रशिक्षित कर्मियों का एक समूह तैयार होने से पूरे द्वीपसमूह के समुद्री बंदरगाहों पर आव्रजन संबंधी कार्यों को बेहतर ढंग से संभालने तथा अधिक प्रभावी तैयारियों में योगदान मिलेगा।

इस विशेष प्रशिक्षण का आयोजन दक्षिण अण्डमान ज़िला पुलिस द्वारा अपने कर्मियों के क्षमता निर्माण, कौशल विकास और पेशेवर विकास की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। व्यावहारिक प्रशिक्षण में निवेश करने तथा अपने अधिकारियों और कर्मियों की क्षमताओं को मजबूत करने के माध्यम से ज़िला पुलिस यह सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रही है कि आव्रजन एवं विदेशियों से संबंधित ज़िम्मेदारियों का निर्वहन अधिक दक्षता, पेशेवर तरीके, समन्वय और कानून के अनुपालन के साथ किया जाए।

जेएनआरएम में प्रेमचंद जयंती मनाई गई

श्री विजय पुरम, 29 अगस्त।

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, श्री विजय पुरम के हिंदी विभाग द्वारा शनिवार को महाविद्यालय के व्याख्यान दीर्घा में प्रेमचंद जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक कृतियों की स्थायी प्रासंगिकता तथा उनमें सामाजिक यथार्थ के चित्रण पर प्रकाश डाला गया।

समारोह को संबोधित करते हुए जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने भारतीय साहित्य में प्रेमचंद के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने अध्यक्षीय संबोधन देते हुए साहित्य के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को उठाने में प्रेमचंद के योगदान और उनकी साहित्यिक विरासत पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान सहायक प्राध्यापक डॉ. एन. लक्ष्मी द्वारा रचित 'काव्य भाषा' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। डॉ. लक्ष्मी ने संक्षेप में पुस्तक का परिचय प्रस्तुत किया।

भूगोल विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आर. जी. एस. बघेल, संकाय सदस्यों तथा छात्र प्रतिनिधियों ने भी प्रेमचंद के साहित्यिक योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम का समन्वय सहायक प्राध्यापक डॉ. दीक्षा गुप्ता ने किया, जबकि सहायक प्राध्यापक डॉ. एन. लक्ष्मी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

31 दिवसीय हल्के मोटर वाहन प्रशिक्षण शुरू

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)–ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई), मोहनपुर, श्री विजय पुरम में आज औपचारिक फ्लैग–ऑफ समारोह के साथ 31 दिवसीय हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), स्थानीय प्रधान कार्यालय, कोलकाता के मुख्य महाप्रबंधक श्री आर. नटराजन ने किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे एक नया कौशल हासिल कर सकें और पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद आजीविका संबंधी उद्यम स्थापित कर सकें। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल एवं लाभकारी समापन के लिए शुभकामनाएं दीं।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि कार्यक्रम में लगभग 30 प्रशिक्षुओं ने नामांकन कराया है, जिनमें 23 महिलाएं हैं। एसबीआई–आरएसईटीआई द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन इच्छुक उद्यमियों को व्यावहारिक कौशल से सुसज्जित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

स्वराज द्वीप में पशुपालकों के लिए अज़ोला उत्पादन का प्रदर्शन

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने प्रोथरापुर ब्लॉक के अंतर्गत यूटी–एटीएमए के सहयोग से 29 अगस्त को स्वराज द्वीप निवासी श्री बिमल बेपारी के खेत में अज़ोला उत्पादन पर प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। प्रदर्शन के दौरान किसानों को अज़ोला की खेती की विधि, इसमें मौजूद उच्च प्रोटीन की मात्रा एवं पशु आहार के रूप में इसके पोषण संबंधी लाभों तथा अज़ोला की क्यारियां तैयार करने एवं उनके रख–रखाव की सरल तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई।

प्रतिभागियों को कम लागत, स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध एवं टिकाऊ पूरक आहार के रूप में अज़ोला के उपयोग के लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया। बताया गया कि अज़ोला के उपयोग से पशु पालन की लागत में काफी कमी लाई जा सकती है तथा मवेशियों एवं अन्य पशुधन के समग्र स्वास्थ्य एवं उत्पादकता में सुधार किया जा सकता है। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालकों को घरेलू एवं कृषि स्तर पर अज़ोला की खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था, ताकि पूरे वर्ष पौष्टिक हरे चारे की नियमित आपूर्ति उपलब्ध हो सके।

रंगत क्षेत्र में कुक्कुट पालकों के लिए कृमिनाशन, टीकाकरण एवं ब्रूडर प्रबंधन का प्रदर्शन

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने यूटीएटीएमए के सहयोग से मध्य अण्डमान के रंगत क्षेत्राधिकार के अंतर्गत क्षेत्र के कुक्कुट पालकों के लाभ के लिए 29 अगस्त, 2026 को दो प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए।

दशरथपुर निवासी श्रीमती अंजन मंडल के आवास पर चूज़ों के कृमिनाशन एवं टीकाकरण पर एक प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान किसानों को पक्षियों में बीमारियों की रोकथाम तथा उनके स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करने के लिए चूज़ों का समय पर कृमिनाशन एवं टीकाकरण कराने के महत्व के बारे में बताया गया। एक अन्य प्रदर्शन कार्यक्रम सबरी निवासी श्रीमती अर्पिता हलदर के आवास पर ब्रूडर प्रबंधन विषय पर आयोजित किया गया। किसानों को बेहतर जीवित रहने की दर एवं उत्पादकता के लिए वैज्ञानिक तरीके से ब्रूडिंग, उचित तापमान बनाए रखने, स्वच्छता तथा प्रारंभिक विकास अवधि के दौरान चूजों के प्रबंधन के संबंध में जागरूक किया गया। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि फार्म की संरचना में सुधार तथा चूजों के बेहतर प्रबंधन में सुविधा प्रदान करने के लिए किसानों को चूजों के फीडर, चूजों के ड्रिंकर तथा नेट जाली व छाया सहित विभिन्न सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

विज्ञान शिक्षकों को दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

शिक्षा निदेशालय के उप शिक्षा निदेशक (विज्ञान) के कार्यालय द्वारा उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले तथा निकोबार ज़िले के जीटीटी (विज्ञान) शिक्षकों के लिए 27, 29 एवं 31 अगस्त को तीन दिवसीय सेवाकालीन व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विज्ञान शिक्षकों के व्यावहारिक एवं प्रयोगात्मक कौशल को मजबूत करना तथा विज्ञान शिक्षण को अधिक गतिविधि–आधारित, आनंददायक एवं अनुभवात्मक बनाना था।

प्रशिक्षण एक साथ तीन केंद्रीय रूप से स्थित विद्यालयों–जीएमएसएसएस, अबर्डीन, जीएसएसएस आरबीवी एवं जीबीएसएसएस, मिडिल प्वाइंट–में आयोजित किया गया। विभिन्न सरकारी विद्यालयों के कुल 98 शिक्षक, जिनमें जीटीटी (विज्ञान/जीवन विज्ञान/भौतिक विज्ञान) शिक्षक शामिल थे, ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं में विभिन्न प्रयोग स्वयं करके किए। उन्हें प्रयोगशाला उपकरणों के प्रभावी उपयोग, सुरक्षा उपायों तथा प्रदर्शन तकनीकों के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि समापन समारोह आज जीएमएसएसएस, अबर्डीन के सभागार में आयोजित किया गया। उप शिक्षा निदेशक (विज्ञान) श्री राम प्रवेश ने कहा कि ऐसे व्यावहारिक प्रशिक्षण सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच की दूरी को कम करने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षकों से अपने–अपने विद्यालयों में इन प्रयोगों को दोहराने तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का आग्रह किया।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

भारत के समुद्री बेड़े में शामिल हुआ दूसरा स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल 'निपुण'

नई दिल्ली, 31 अगस्त (हि.स.)। मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में सोमवार को निस्तार श्रेणी के दूसरे डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) निपुण को भारतीय नौसेना ने अपने समुद्री बेड़े में शामिल कर लिया। इसके शामिल होने से नौसेना की गहरे समुद्र में गोताखोरी और पानी के नीचे सहायता क्षमताओं में अहम बढ़ोतरी होगी। आज के दिन को जहाज के निर्माण से लेकर ऑपरेशनल सर्विस तक के सफर में नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है।

विशाखापत्तनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में डिजाइन और निर्मित 'निपुण' डिफेंस शिपबिल्डिंग में भारत की आत्मनिर्भरता की कोशिश में अहम मील का पत्थर है। आउटफिटिंग और ट्रायल के एक बड़े प्रोग्राम के पूरा होने के बाद यह वेसल 30 जुलाई को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। यह खास तौर पर बनाया गया प्लेटफॉर्म है, जिसे डाइविंग और पानी के अंदर के कई तरह के ऑपरेशन में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह जहाज आधुनिक डाइविंग सिस्टम और पानी के अंदर दखल देने की क्षमताओं से लैस है, जिससे समुद्र में मुश्किल हालात में काम करने वाले गोताखोरों को लगातार मदद मिलेगी। यह सबमरीन रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद करने की नौसेना की क्षमता को भी बढ़ाएगा।

जहाज में नेविगेशन, प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट और सटीक स्टेशन कीपिंग के लिए मॉडर्न सिस्टम हैं। साथ ही डाइविंग, पानी के अंदर दखल और मेडिकल सपोर्ट के लिए खास सुविधाएं भी हैं। ये क्षमताएं निपुण को सतह के नीचे मुश्किल ऑपरेशन के लिए एक इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करने में मदद करती हैं। 'निपुण' की कमीशनिंग

से नौसेना की भारत के समुद्री इलाकों में खास डाइविंग और पानी के अंदर मिशन करने की क्षमता और मजबूत होगी। इस देश में बने प्लेटफॉर्म का शामिल होना देश के शिपबिल्डिंग इकोसिस्टम की बढ़ती क्षमता को भी दिखाता है, ताकि नौसेना की ऑपरेशनल जरूरतों को पूरा करने के लिए टेक्नोलॉजी के हिसाब से एडवांस और खास जहाज बनाए जा सकें।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि जहाज पर लगा क्रेस्ट डाइविंग सपोर्ट वेसल के तौर पर जहाज की मुख्य भूमिका और गहरे समुद्र में डाइविंग से जुड़ी हिम्मत, धीरज और प्रोफेशनल काबिलियत को दिखाता है। मॉडर्न डाइविंग हेलमेट जहाज के एडवांस्ड डाइविंग सिस्टम और लाइफ–सपोर्ट क्षमताओं का प्रतीक है। यह गोताखोरों को बहुत गहराई में सुरक्षित और असरदार तरीके से काम करने में काबिल बनाएगा। व्हेल और डाइविंग हेलमेट मिलकर 'निपुण' को एक ऐसे प्लेटफॉर्म के तौर पर दिखाते हैं, जो गोताखोरों को गहराई में ले जाने, उसे वहां बनाए रखने और सुरक्षित वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत और चिली के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते हुए

नई दिल्ली, 31 अगस्त। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने चिली के सैंटियागो में अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध उप मंत्री पाला एस्टेवेज़ वेन्स्टीन के साथ बैठक की। यह बैठक भारत– चिली के व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते–सीईपीए पर वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित की गई थी।

बुधवार को हुई इस बैठक में दोनों पक्षों ने भारत–चिली के मजबूत और बढ़ते संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सीईपीए के अंतर्गत साझा उद्देश्यों और आकांक्षाओं को दोनों पक्षों के व्यवसायों के लिए ठोस और व्यावसायिक रूप से सार्थक अवसरों में परिवर्तित करने पर बल दिया। इस अवसर पर वाणिज्य सचिव ने स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाओं का उल्लेख किया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा कि भारत ने भारत–चिली आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने में खुलेपन, निरंतर जुड़ाव और संतुलित दृष्टिकोण के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराई।

नेपाल जलप्रलय : अब तक 903 शव बरामद, 4,247 लापता, 10,451 लोगों को किया गया रेस्क्यू

काठमांडू, 31 अगस्त (हि.स.)। नेपाल के रसुवा में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत, खोज और बचाव अभियान लगातार जारी है। नेपाल के गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की आज सुबह 11 बजे तक की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 903 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 4,247 लोग अब भी लापता हैं।

प्राधिकरण के अनुसार, अब तक बरामद शवों में रसुवा से 24, नुवाकोट से 95, धादिङ से 55, गोरखा से 62, नवलपरासी पूर्व से 207, नवलपरासी पश्चिम से 151, तनहुँ से 37 और चितवन से 272 शव शामिल हैं। इनमें कई अज्ञात मानव अवशेष भी शामिल हैं। नेपाल सरकार के विभिन्न निकायों में अब तक 4247 लोगों के संपर्कविहीन होने की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक लापता लोगों में नेपाल पुलिस के 25, नेपाली सेना के 45, सशस्त्र पुलिस बल के 13, कस्टम कार्यालय के 15 और इमिग्रेशन कार्यालय के 3 कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा रसुवा में 865 और नुवाकोट में 1,558 लोगों के लापता होने की जानकारी दी गई है।

लापता लोगों में जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़े 933 लोग, मकवानपुर के 65, विदेशी नागरिक 592, विदेशियों के साथ यात्रा कर रहे 127 नेपाली नागरिक, लैंगटांग राष्ट्रीय उद्यान के 3 और क्वारंटीन कार्यालय के 3 लोग भी शामिल हैं।

नेपाल सरकार के मुताबिक अब तक कुल 10,451 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। नेपाली सेना के हवाई बचाव अभियान में 252 विदेशी नागरिकों और 3,344 नेपाली

नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया। रिपोर्ट के अनुसार, 30 अगस्त तक जलविद्युत परियोजनाओं से 15 चीनी और 7 भारतीय नागरिकों को भी बचाया गया है। अब तक 411 हेलीकॉप्टर उड़ानें संचालित की जा चुकी हैं, जिनमें 31 अगस्त को 17 उड़ानें शामिल हैं।

बाढ़ में कुल 267 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 156 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। प्रभावित क्षेत्रों में छह सर्जिकल मेडिकल टीमें भी तैनात की गई हैं। राहत और बचाव अभियान में कुल 20,819 सुरक्षाकर्मी जुटे हुए हैं। इनमें नेपाल पुलिस के 7,894, नेपाली सेना के 8,722 और सशस्त्र पुलिस बल के 4,203 जवान शामिल हैं। प्राधिकरण ने बताया कि अज्ञात शवों को विभिन्न जिलों के 21 अस्पतालों में रखा गया है। शवों की पहचान और प्रबंधन का काम जारी है। प्रभावित इलाकों में ईंधन की उपलब्धता के तहत 25 हजार लीटर डीजल, 21 हजार लीटर पेट्रोल और 10 हजार लीटर विमान ईंधन का स्टॉक मौजूद है।

भारत–जर्मन पर्यावरण फोरम का आयोजन आज से नई दिल्ली में

नई दिल्ली, 31 अगस्त

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव, जर्मनी के पर्यावरण, जलवायु संरक्षण, प्रकृति संरक्षण और परमाणु सुरक्षा मंत्री कार्सटेन श्नाइडर के साथ, 1 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में श्अधिक स्थिति अनुकूलता के लिए एक साथश विषय पर चौथे भारत–जर्मन पर्यावरण फोरम की सह–अध्यक्षता करेंगे।

यह फोरम भारत और जर्मनी के बीच पर्यावरण नीति पर सर्वोच्च द्विपक्षीय मंच है जो वर्ष 2008 से आयोजित हो रहा है। केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और जर्मनी का पर्यावरण, जलवायु संरक्षण, प्रकृति संरक्षण और परमाणु सुरक्षा मंत्रालय इसे जर्मन एशिया–प्रशांत व्यापार समिति और भारतीय उद्योग संघों के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित कर रहा है। इस अवसर पर श्री यादव और श्री श्नाइडर पर्यावरण संरक्षण और जलवायु नीति से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करेंगे ताकि, द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाए जा सके, अनुभव साझा किए जाएं और व्यावहारिक सहयोग बढ़े। फोरम में मंत्रालयों, व्यवसायों, विशेषज्ञ समूहों और गैर–सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, सिप्पीघाट की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/ आर आर/2026–27/107

कार्य का नाम : सिप्पीघाट ग्राम पंचायत के अंतर्गत सिप्पीघाट 02 में एम्ब्रस के घर से अंगुस्वामी के घर तक सड़क की मरम्मत और रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 11,17,660/–, धरोहर राशि : रु. 22,353/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 07/09/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_24477_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

AFFIDAVIT/SELF DECLARATION

I, SOVAMMA is legally mother of NO. 15699190F, RANK - HAV, NAME - NAGENDRA REDDY SAMMETA who presently serving in INDIAN ARMY permanently residing at VILL - PITTALAVANI PALEM, TEH-BAPATLA, DISTT-GUNTUR, STATE-AP, PIN-522329. Presently serving in 108 MTN BDE SIG COY, C/O 99 APO, BRICHGUNJ MIL STN, PORT BLAIR, PIN-744103 do hereby solemnly affirm and state on oath as follows:

a) That my name is included in my son service record as SOVAMMA. However my name as per my Aadhar card and other document is SAMMETA SOVAMMA, and I wish to record my name as SAMMETA SOVAMMA.

b) That my Date of Birth is included in my son service record as 01/07/1968. However my Date of Birth as per my Aadhar card and other document is 01/01/1966, and I wish to record my Date of Birth as 01/01/1966.

c) That I am producing this Affidavit for the purpose of evidence for my correct name and date of birth.

d) That both name SOVAMMA and SAMMETA SOVAMMA pertaining to one and the same person.

e) That what is stated above is true and correct to best of my knowledge information and belief. Nothing material has been concealed there from.

VERIFICATION

I, the deponent above named, do hereby solemnly declare and verify that the content of the above affidavit are true to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or supressed therefrom.

Date : 19/08/2026
Place : Sri Vijaya Puram

Deponent

देशभर में पंच सम्मेलनों के माध्यम से विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम के प्रति बढ़ी जागरूकता

देशभर में विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण): वीबी–जी राम जी (विकसित भारत–जी राम जी) अधिनियम, 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं कार्मिकों के व्यापक अभिमुखीकरण के उद्देश्य से आयोजित जिला स्तरीय पंच सम्मेलन अभियान को उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से पंचायती राज संस्थाओं के तीनों स्तरों के जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों, उनकी भूमिकाओं एवं उत्तरदायित्वों से अवगत कराने के लिए पंच सम्मेलन आयोजित करने का अनुरोध किया गया था।

देशभर में अब तक 1,338 पंच सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। यह संख्या विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इन सम्मेलनों के माध्यम से अब तक लगभग 5.26 लाख पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों/कर्मचारियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

इतिहास के पन्नों में 01 सितम्बर : आजाद हिंद फौज के गठन ने दी आजादी की लड़ाई को नई दिशा

नई दिल्ली, 31 अगस्त (हि.स.)। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में आज का दिन विशेष महत्व रखता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौर में वर्ष 1942 में अंग्रेजी शासन से भारत को आजाद कराने के उद्देश्य से आजाद हिंद फौज, जिसे इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) के नाम से भी जाना जाता है, के गठन का रास्ता तैयार हुआ। इस सशस्त्र संगठन ने विदेश की धरती से भारतीय स्वतंत्रता की लड़ाई को नई दिशा और ऊर्जा दी।

क्रांतिकारी रासबिहारी बोस ने जापान के सहयोग से भारतीय सैनिकों और नागरिकों को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अभियान को जापान से व्यापक सहयोग मिला। फौज में बड़ी संख्या में वे भारतीय सैनिक शामिल हुए, जिन्हें युद्ध के दौरान जापानी सेना ने बंदी बनाया था। बाद में बर्मा और दक्षिण–पूर्व एशिया के अन्य देशों में रह रहे भारतीय भी इससे जुड़े।

आजाद हिंद फौज की एक खास बात इसमें महिलाओं की अलग सैन्य इकाई का गठन था। बड़ी संख्या में सैनिकों और महिला सदस्यों की भागीदारी ने इस आंदोलन को व्यापक स्वरूप दिया। बाद के वर्षों में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद फौज स्वतंत्रता संग्राम का एक शक्तिशाली प्रतीक बनकर उभरी। सैनिकों के संघर्ष, बलिदान और उनके 'दिल्ली चलो' जैसे आह्वान ने देशवासियों में आजादी की चेतना को और मजबूत किया।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1923 – ग्रेट कैंटो भूकंप ने जापान के टोक्यो और योकोहामा शहरों में तबाही मचाई।

1939 – जर्मनी का पोलैंड पर आक्रमण करने के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ।

1942 – रास बिहारी बोस ने इंडियन नैशनल आर्मी की स्थापना की।

1947 – भारतीय मानक समय को अपनाया गया।

1956 – भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की स्थापना हुई।

1956–राज्यों के पुनर्गठन के बाद त्रिपुरा केंद्रशासित प्रदेश बना।

1962 – महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शिवाजी विश्वविद्यालय की स्थापना हुयी।

1964 – इंडियन ऑयल रिफाइनरी और इंडियन ऑयल कम्पनी को विलय करके इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन बनाई गयी।

1965 – पाकिस्तानी फौजों ने कश्मीर में संघर्षविराम रेखा को पार किया।

1997 – साहित्यकार महाश्वेता देवी तथा पर्यावदणविद एम.सी. मेहता को 1997 का रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया।

2000 – चीन ने तिब्बत होते हुए नेपाल जाने वाले अपने एकमात्र रास्ते को बंद किया।

2005 – सद्दाम हुसैन ने सशर्त रिहाई की अमेरिकी पेशकश ठुकराई।

2006 – एग्जिट पोल के जनक और टेलिफ़ोन सर्वे में सैपलिंग मैथड विकसित करने में मददगार वाडेन मिटोफ़्स्की का न्यूयॉर्क में निधन।

समस्त भारत में आज से 7 सितम्बर तक मनाया जाएगा 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह'

नई दिल्ली, 31 अगस्त।

भारत में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2026 1 से 7 सितंबर तक मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य संतुलित आहार, उचित पोषण और स्वस्थ खान–पान की आदतों के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह सप्ताह छात्रों, परिवारों, विद्यालयों और समुदायों को यह समझने में मदद करता है कि विकास, ऊर्जा, रोग प्रतिरोधक क्षमता, सीखने की क्षमता और समग्र स्वास्थ्य के लिए पोषण क्यों महत्वपूर्ण है।

सरल शब्दों में कहें तो, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ खानपान का मतलब महंगे खाद्य पदार्थ या सख्त आहार योजनाएँ नहीं हैं। इसका मतलब है संतुलित और विविध प्रकार के खाद्य पदार्थों का सही मात्रा में सेवन करना। छात्रों के लिए, यह सप्ताह खाद्य समूहों, स्वस्थ आहार, पोषण संबंधी जानकारी और सरल जीवनशैली की आदतों के बारे में जानने का भी अच्छा अवसर है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पूरे भारत में मनाया जाने वाला एक वार्षिक पोषण जागरूकता अभियान है। इसका उद्देश्य लोगों को संतुलित भोजन के महत्व और दैनिक आहार में बेहतर विकल्प चुनने के बारे में शिक्षित करना है। इसका उद्देश्य खाद्य पदार्थों को पूरी तरह से "अच्छा" या "बुरा" बताना नहीं है। इसके बजाय, हमारा ध्यान इस बात पर है कि प्रोटीन, सब्जियां, फल, साबुत अनाज, दालें, दूध या दही, मेवे, बीज और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करके नियमित भोजन को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।

विद्यार्थियों के लिए यह विषय महत्वपूर्ण है क्योंकि पोषण का सीधा प्रभाव एकाग्रता, सहनशक्ति, विकास और सीखने पर पड़ता है। संतुलित भोजन करने वाला विद्यार्थी दिन भर सक्रिय, सजग और ऊर्जावान रहने की अधिक संभावना रखता है। चूंकि यह सप्ताह हर साल इसी अवधि

में मनाया जाता है, इसलिए स्कूल और संगठन इस सप्ताह के दौरान जागरूकता गतिविधियां, पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताएं, व्याख्यान और स्वस्थ खानपान अभियान आयोजित कर सकते हैं।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का व्यापक विषय पोषण जागरूकता और स्वस्थ खानपान से जुड़ा है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को यह समझने में मदद करना है कि भोजन संबंधी विकल्प स्वास्थ्य, विकास, उत्पादकता और जीवन की गुणवत्ता को कैसे प्रभावित करते हैं। भारत में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की शुरुआत 1982 में खाद्य एवं पोषण बोर्ड द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य पोषण और स्वास्थ्य, उत्पादकता और समग्र विकास में इसकी भूमिका के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना था।

समय के साथ, यह अभियान और भी प्रासंगिक हो गया है क्योंकि आज भी कई लोग कुपोषण से संबंधित समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कुछ लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता, जबकि अन्य लोग पर्याप्त कैलोरी तो खा लेते हैं लेकिन प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन, फाइबर और खनिज जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से वंचित रह जाते हैं।

वित्त मंत्रालय 2027–28 के केंद्रीय बजट की तैयारी 12 अक्टूबर से शुरू करेगा

नई दिल्ली, 31 अगस्त (हि.स.)।

वित्त मंत्रालय पश्चिम एशिया संकट और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं तथा खाद्य एवं ईंधन की ऊंची कीमतों के बीच 12 अक्टूबर से वित्त वर्ष 2027–28 के केंद्रीय बजट की तैयारी शुरू करेगा। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की ओर से जारी बजट परिपत्र में कहा गया है कि व्यय सचिव की अध्यक्षता में बजट–पूर्व बैठकें 12 अक्टूबर से शुरू होंगी। वित्तीय सलाहकार सुनिश्चित करेंगे कि छह अक्टूबर तक या उससे पहले केंद्रीय बजट सूचना प्रणाली (यूबीआईएस) में जरूरी जानकारियां सही तरीके से दर्ज कर दी जाएं। बजट परिपत्र के मुताबिक अगले वित्त वर्ष 2027–28 के केंद्रीय बजट में आर्थिक वृद्धि तेज करने के लिए सुधारों को आगे बढ़ाने और रोजगार सृजन तथा घरेलू मांग बढ़ाने के उपायों पर ध्यान दिए जाने की उम्मीद है। बजट पूर्व बैठकें नवंबर के मध्य तक जारी रहेंगी।

परिपत्र में कहा गया है कि निर्धारित प्रारूप में आंकड़ों की प्रतियां भी सत्यापन के लिए जमा करनी होंगी। परिपत्र में कहा गया कि बजट–पूर्व बैठकों के पूरा होने के बाद 2027–28 के बजट अनुमान और 2026–27 के संशोधित अनुमान को अस्थायी रूप से अंतिम रूप दिया जाएगा। परिपत्र में कहा गया कि बजट–पूर्व बैठकों में विस्तृत चर्चा के बाद मंत्रालयों और विभागों को प्रारंभिक व्यय सीमा की जानकारी दी जाएगी।

नासा ने लॉन्च किया 'रोमन स्पेस टेलीस्कोप', ब्रह्मांड के बड़े रहस्यों की करेगा पड़ताल

केप कैनावेरल (फ्लोरिडा), 31 अगस्त (हि.स.)।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने ब्रह्मांड के सबसे बड़े और अब तक अनसुलझे रहस्यों की पड़ताल के लिए रविवार को अपने नए प्रमुख अंतरिक्ष वेधशाला मिशन नैंसी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया। करीब चार अरब डॉलर की लागत वाले इस मिशन को फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के फॉल्कन हेवी रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया।

रोमन टेलीस्कोप डार्क एनर्जी और डार्क मैटर जैसे ब्रह्मांडीय रहस्यों को समझने के साथ–साथ विशाल पैमाने पर गुरुत्वाकर्षण का अध्ययन करेगा। यह सौरमंडल के बाहर मौजूद ग्रहों यानी एक्सोप्लैनेट की खोज में भी अहम भूमिका निभाएगा। टेलीस्कोप को पृथ्वी से करीब 16 लाख किलोमीटर दूर लैग्रेंज प्वाइंट–2 की कक्षा तक पहुंचना है। इसका मुख्य मिशन पांच साल का है, हालांकि नासा का मानना है कि पर्याप्त ईंधन होने पर इसकी कार्यावधि और बढ़ाई जा सकती है।

रोमन की सबसे बड़ी खासियत उसका विशाल

'वाइड–एंगल' व्यू है। जहां जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ब्रह्मांड की गहराइयों में दूरस्थ पिंडों को बेहद बारीकी से देखता है, वहीं रोमन एक साथ आकाश के बड़े हिस्से का सर्वे कर सकेगा। नासा के अनुसार, इसकी मदद से अब तक का सबसे व्यापक त्रि–आयामी ब्रह्मांडीय मानचित्र तैयार किया जाएगा, जिसमें दो अरब से अधिक आकाशगंगाओं का अध्ययन शामिल होगा।

मानसून में प्रकृति के सबसे खूबसूरत रंग देखने हैं तो पश्चिम बंगाल की इन 5 जगहों का ट्रिप करें प्लैन

नई दिल्ली, 31 अगस्त।

बारिश का मौसम आते ही प्रकृति अपनी सबसे खूबसूरत तस्वीर पेश करती है। चारों तरफ फैली हरियाली, ठंडी हवाएं और बारिश की फुहारें घूमने का मजा कई गुना बढ़ा देती हैं। अगर आप इस मानसून में भीड़–भाड़ से दूर किसी शांत और प्राकृतिक जगह की तलाश में हैं, तो पश्चिम बंगाल की कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन आपके ट्रैवल प्लान के लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं। यहां समुद्र, जंगल, पहाड़ और झीलों का अनोखा संगम देखने को मिलता है, जो बारिश के मौसम में और भी आकर्षक हो जाता है।

कोलकाता से करीब 135 किलोमीटर दूर स्थित हेनरी आइलैंड अपनी शांत समुद्री तट, लाल केकड़ों और मैंग्रोव जंगलों के लिए मशहूर है। मानसून के दौरान यहां की प्राकृतिक खूबसूरती और भी निखर जाती है। अगर आप शहर की भागदौड़ से दूर सुकून भरा वीकेंड बिताना चाहते हैं, तो यह जगह आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकती है।

शांतिनिकेतन के पास स्थित सोनाझुरी फॉरेस्ट बारिश के मौसम में घने हरियाले जंगल में बदल जाता है। यहां लाल मिट्टी के रास्तों पर टहलने का अलग ही आनंद मिलता है। शनिवार को लगने वाला स्थानीय हाट पर्यटकों के बीच खासा लोकप्रिय है, जहां हस्तशिल्प, पारंपरिक कपड़े और स्थानीय उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। इसके अलावा बाउल संगीत और आदिवासी लोकनृत्य यहां की यात्रा को और यादगार बना देते हैं।

कोलकाता शहर से लगभग 230 किलोमीटर दूर स्थित मुकुटमणिपुर कांगसाबती और कुमारी नदी के संगम पर बसा एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां का कांगसाबती बांध मानसून में बेहद मनमोहक दिखाई देता है। पर्यटक यहां बोटिंग का आनंद ले सकते हैं, वहीं हिरण पार्क और शांत वातावरण इसे परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह बनाते हैं।

अगर आप इतिहास और प्राकृतिक सुंदरता दोनों का आनंद लेना चाहते हैं, तो गढ़पंचकोट आपके लिए एक शानदार डेस्टिनेशन है। यहां प्राचीन किले के अवशेष, पुराने मंदिर और चारों ओर फैले साल व पलाश के जंगल मानसून में बेहद खूबसूरत नजर आते हैं। इसके अलावा पास स्थित पंचेत डैम और बरंती झील इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं।

दार्जिलिंग के रास्ते में स्थित लामाहट्टा मानसून के दौरान किसी जन्नत से कम नहीं लगता। यहां के चीड़ के जंगल, फूलों से सजा इको पार्क और धुंध से ढके पहाड़ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां से जौरे पोखरी तक का छोटा ट्रेक भी किया जा सकता है। हालांकि बारिश के मौसम में बादलों की वजह से कंचनजंघा के साफ दर्शन हमेशा नहीं हो पाते, लेकिन यहां का सुहावना मौसम और प्राकृतिक नजारे हर यात्री को खास अनुभव देते हैं।

अगर आप इस बारिश के मौसम में भीड़ से दूर शांति, हरियाली और प्राकृतिक खूबसूरती का आनंद लेना चाहते हैं, तो पश्चिम बंगाल की ये पांच ऑफबीट जगहें आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल होनी चाहिए। यहां आपको प्रकृति के अलग–अलग रंग देखने के साथ–साथ सुकून भरा माहौल भी मिलेगा, जो आपकी मानसून यात्रा को यादगार बना देगा।

जेएनआरएम ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर 'रेड रन 2026' का आयोजन किया

श्री विजय पुरम, 31 अगस्त।

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब (आरआरसी) ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों में एचआईवी/एड्स की रोकथाम, सुरक्षित व्यवहार एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महाविद्यालय स्तर पर 'रेड रन 2026' मैराथन का आयोजन किया।

अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण सोसायटी (एएनएसीएस) के परियोजना निदेशक डॉ. सुब्रत साहा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और 29 अगस्त, 2026 को जेएनआरएम के प्राचार्य डॉ. पर्ल देवदास की उपस्थिति में मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने संबोधन में डॉ. साहा ने एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता के महत्व पर ज़ोर दिया तथा युवाओं द्वारा अपने साथियों के बीच जागरूकता फैलाने और सुरक्षित एवं स्वस्थ व्यवहार को प्रोत्साहित करने में निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि मैराथन में विद्यार्थियों ने पुरुष एवं महिला वर्ग में भाग लिया।

पुरस्कार वितरण समारोह में जेएनआरएम की प्राचार्य डॉ. पर्ल देवदास ने दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 2,000 रुपये, 1,500 रुपये एवं 1,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि के साथ ट्रॉफी एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम का आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रमुख डॉ. सत्येंद्र पाल सिंह द्वारा किया गया तथा इसका समन्वय जेएनआरएम के आरआरसी नोडल अधिकारी डॉ. तमिल भरथन टी. के. ने किया।

सरकार ने 1.27 लाख करोड़ के बजट वाली सेमीकॉन के दूसरे चरण की योजना अधिसूचित की

नई दिल्ली, 31 अगस्त।

सरकार ने देश में चिप विनिर्माण के पूरे तंत्र को बढ़ावा देने के लिए आज एक लाख 27 हजार करोड़ रुपये के बजट वाली सेमीकॉन के दूसरे चरण की योजना को अधिसूचित किया। नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इससे आगामी वर्षों में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में भारत की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में बड़ी भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

श्री वैष्णव ने कहा कि सरकार का जोर भारत को वेफर निर्माण से लेकर चिप उत्पादन तक वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर है। उन्होंने सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के दूसरे चरण के सभी छह स्तंभों की अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़े लोगों को भरोसा है कि आने वाले दशकों में बड़े निवेश के लिए भारत सही स्थान है।

श्री वैष्णव ने कहा कि सेमीकॉन के पहले चरण के तहत परियोजनाओं को मंजूरी मिलने से लेकर काम शुरू होने और फिर व्यावसायिक उत्पादन तक पहुंचने की गति पर उद्योग जगत ने विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभाओं की उपलब्धता, नीतिगत स्थिरता और कारोबार में सुगमता ने सेमीकंडक्टर विनिर्माण और डिजाइन के लिए भारत को आधार बनाने में उद्योग की बढ़ती रुचि में योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि देश का लक्ष्य वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनना है, ताकि उत्पादन और डिजाइन के लिए दुनिया की कंपनियां भारत पर अधिक निर्भर हों। श्री वैष्णव ने कहा कि देश में सेमीकंडक्टर के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का विकास अगले 50 वर्ष तक भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग की निरंतर वृद्धि के लिए बुनियादी आधार तैयार करेगा।

भारत–रूस चाय कारोबार बढ़ाने के लिए बेहतर संपर्क व्यवस्था और सरल नियम जरूरी : चाय बोर्ड

कोलकाता, 31 अगस्त (हि.स.)।

भारत और रूस के बीच चाय कारोबार को बढ़ावा देने के लिए परिवहन संपर्क व्यवस्था मजबूत करने, प्रमाणन और नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा निर्यातकों के लिए व्यापारिक बाधाओं को दूर करने की जरूरत है। भारतीय चाय बोर्ड के उत्तर–पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय की कार्यकारी निदेशक अरुणिता फुकन यादव ने सोमवार को कोलकाता में आयोजित संपर्क–भारत–रूस द्विपक्षीय सम्मेलन में यह बात कही।

अरुणिता ने कहा कि भारत और रूस के बीच लंबे समय से भरोसे और मजबूत जनसंपर्क पर आधारित संबंध हैं, लेकिन बदलते वैश्विक व्यापारिक माहौल में इन संबंधों को आर्थिक और वाणिज्यिक स्तर पर और मजबूत करने के लिए नए तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है।

चाय क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रूसी बाजार में भारतीय चाय निर्यातकों के लिए बड़ी संभावनाएं हैं, लेकिन नमूने भेजने में कठिनाई, माल ढुलाई, बीमा लागत और प्रमाणन व नियामकीय आवश्यकताओं जैसी कई व्यावहारिक चुनौतियां निर्यात को प्रभावित कर रही हैं। कहा कि चाय कारोबार में नमूनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि खरीदार गुणवत्ता का आकलन करने के बाद ही बड़े ऑर्डर देते हैं। ऐसे में रूस को चाय के नमूने भेजने की प्रक्रिया में आने वाली तार्किक और प्रक्रियागत अड़चनें दूर करना जरूरी है।

उन्होंने भारतीय निर्यातकों, चाय बोर्ड और रूस के संबंधित अधिकारियों एवं उद्योग जगत के बीच नियमित तकनीकी संवाद की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे संवादों से प्रमाणन और गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने तथा निर्यातकों को अनावश्यक देरी के बिना नियमों का पालन करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने भारत और रूस के बीच परिवहन संपर्क व्यवस्था बेहतर बनाने तथा वैकल्पिक व्यापार मार्गों की संभावनाएं तलाशने पर भी जोर दिया। कहा कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारा दोनों देशों के बीच व्यापार को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। बेहतर संपर्क व्यवस्था से माल की आवाजाही तेज और अधिक भरोसेमंद होगी, जिससे निर्यातकों को लाभ मिलेगा।

आखिर क्यों शुरू हुई दुनिया में गुट निरपेक्ष दिवस मनाने की प्रथा

नई दिल्ली, 31 अगस्त (आईएएनएस)।

युद्ध या शांति इसके बीच उलझे विश्व में कई ऐसे देश भी रहे जो यह तय नहीं कर पा रहे थे कि युद्ध की स्थिति में वह आखिर किसके साथ, किसके पक्ष में खड़े हों। ऐसे में गुट निरपेक्ष आंदोलन राष्ट्रों ने एक अंतरराष्ट्रीय संस्था का गठन किया जिसमें यह निश्चय हुआ कि ये देश विश्व के किसी भी पावर ब्लॉक के साथ या विरोध में नहीं खड़े होंगे। इस संगठन की स्थापना 1961 में की गई। यही कारण रहा कि 1 सितंबर को गुट निरपेक्ष दिवस मनाया जाता है।

बता दें कि वर्तमान में गुट निरपेक्ष आंदोलन में 120 सदस्य देश और 17 पर्यवेक्षक देश हैं। इस गुटनिरपेक्ष आंदोलन की मशाल भी भारत से ही जलकर निकली थी। इस आंदोलन को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसिप बरोज़ टीटो, इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति और इंडोनेशियाई स्वतंत्रता आंदोलन के नेताडॉ सुकर्णो एवं घाना के पूर्व राष्ट्रपति क्वामे एन्क्रूमाह ने आरंभ किया था।

गुट निरपेक्ष देशों के बारे में बात करें तो इसमें तृतीय विश्व यानि विकासशील देश सदस्य हैं। यह समूह संयुक्त राष्ट्र के कुल सदस्यों की संख्या का लगभग दो तिहाई एवं विश्व की कुल जनसंख्या के 55 प्रतिशत भाग का प्रतिनिधित्व करता है।

गुट निरपेक्षता को कई बार पृथकतावाद कहकर परिभाषित किया गया जबकि दोनों के अर्थ बिल्कुल अलग–अलग और सिद्धांत भी अलग–अलग हैं। गुट निरपेक्षता से सीधा तात्पर्य समाज में सभी को बराबरी का अधिकार और सभी के लिए एक समान न्याय सुनिश्चित करना है जबकि पृथकतावाद में समाज, देश के अलग–अलग समूहों को विभाजित देखने की बात नजर आती है।

जहां एक ओर गुट निरपेक्षता का सिद्धांत समृद्धि और सामाजिक समृद्धि की प्रेरणा प्रदान करता है, वहीं पृथकतावाद से समाज में विभेद बढ़ सकता है और सामाजिक संगठन में विघटन पैदा हो सकता है। ऐसे में ये दोनों ही सामाजिक और न्याय दोनों की दृष्टि से अलग हैं।

वैसे आपको यह भी जानना चाहिए कि जब शीत युद्ध

का दौर दुनिया देख रही थी तब गुटनिरपेक्ष देशों का समूह बनाया गया था। इसका साफ मकसद उन देशों को साथ लाना था जो न अमरीका के साथ थे और न ही सोवियत संघ के पक्षधर थे। ऐसे गुट निरपेक्ष देशों को एक मंच पर साथ लाने की कोशिश पांच देशों के नेताओं ने की थी। जिसमें भारत प्रमुख था और उसके साथ सहयोगी की भूमिका में इंडोनीशिया, घाना, मिस्र और उस वक़्त के युगोस्लाविया थे। वैसे गुट निरपेक्ष आन्दोलन के तीन कर्णधार पंडित जवाहर लाल नेहरू, नासिर व टीटो को माना जाता है।

वैसे तब लोगों को यह लगा कि गुट निरपेक्षता का मतलब दुनिया के किसी भी देश में जारी अस्थिरता के हालात से आंखें मूंद लेना था जबकि ऐसा नहीं था। गुटनिरपेक्षता का अर्थ सही और गलत में अन्तर करके सदा सही नीति का समर्थन करना है।

बाद में यह गुट निरपेक्षता भारत के लिए फायदेमंद साबित हुई। गुट निरपेक्ष होने की वजह से ही भारत के वर्तमान विदेशी संबंध अमेरिका और रूस दोनों से बेहतरीन हैं। भारत ने गुट निरपेक्षता के सिद्धांत पर ही बल देते हुए विश्व शांति को बढ़ावा दिया।

दरअसल दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद दुनिया अमेरिका और तत्कालीन सोवियत संघ (अब रूस) के नेतृत्व तले दो गुटों में बंटी थी। अमेरिका वाला खेमा पूंजीवाद की नीतियों का समर्थक था वहीं सोवियत संघ का खेमा समाजवादी नीतियों को समर्थन दे रहा था। ऐसे में गुट निरपेक्ष देशों ने तय किया कि वे किसी एक गुट में शामिल होकर दूसरे गुट के खिलाफ खड़े होने की बजाए गुट निरपेक्ष रहेंगे ताकि उनके संबंध किसी से खराब न हों। –आईएएनएस